

एसडीएम गरीबों को हक नहीं दिला पाए तो मैं जनवरी का वेतन नहीं लूंगा : कलैक्टर हसीजा

हर गरीब को खाद्य सुरक्षा का गँहू इसी माह मिले, बुजुर्गों-एकल नारियों की पेंशन न रुके, यह हमारा ध्येय : जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा

राजसमंद, (निसं)। प्रशासनिक हल्के में जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा का एक प्रण चर्चा का विषय बना हुआ है। सुशासन का संदेश देते हुए गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका हक दिलाने के लिए जिला कलैक्टर ने स्पष्ट शब्दों में सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण इसी माह अनिवार्य रूप से किया जाए। निरंतर सभी विकास अधिकारियों, तहसीलदार के माध्यम से समीक्षा की जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे।

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि जिन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका पालनहार सत्यापन 28 जनवरी तक हर हाल में पूरा हो। जो बूढ़, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन के लिए तरस रहे हैं,

■ जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके अधिकार नहीं दिला पाए तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे

■ मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है

■ मुख्य सचिव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है

उनका सत्यापन इसी माह हो और जो गरीब परिवार गेहूँ के इंतजार में हैं, उन्हें एनएफएसए का लाभ इसी माह मिलना चाहिए। जिला कलैक्टर ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय प्रेरणा, उत्साहवर्धन

और मार्गदर्शन के माध्यम से परिणाम लाने का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके ये अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं

जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे।

अपने प्रण को व्यवहार में उतारते हुए जिला कलैक्टर ने कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को निर्देश दिए कि उनका (कलैक्टर का) जनवरी माह का वेतन बिल तक तब नहीं बनाया जाए, जब तक सभी एसडीएम शत प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर देंगे।

जिला कलैक्टर के इस संकल्प के बाद शनिवार के अवकाश के दिन भी जिले के सभी उपखंड अधिकारी और प्रशासनिक अमला पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण में जुट गया। इससे यह उम्मीद जगी है कि इसी माह इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूरे होंगे और पात्र गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

यह पहल एक ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार अधिकारी का उदाहरण

है, जो अपने पद को नहीं, अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। राजसमंद में जिला कलैक्टर का यह प्रण प्रशासनिक सेवा में जनकल्याण और नैतिक नेतृत्व की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है। उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि मुख्य सचिव की सहदयता से हूँ अभिभूत, लक्ष्यों को समय पर पूरा करूँगे।

विद्युत विभाग के ठेकाकर्मी की मौत, परिजनों व ग्रामीणों ने धरना दिया

मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख एवं एक जने को संविदा पर नौकरी देने की मांग की

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण इलाके के बपावर कलां इलाके में विद्युत विभाग में ठेके पर कार्यरत ठेकाकर्मी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की मौत के बाद स्थानीय ग्रामीणों व परिजनों ने बपावर कलां इलाके में स्थित विद्युत कार्यालय के बाहर मृतक के शव को रखकर धरना दिया एवं प्रदर्शन कर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख एवं एक जने को संविदा पर नौकरी देने की मांग की।

विद्युत विभाग कार्यालय के बाहर हंगामे को सूचना पाकर पुलिस मौके पर

- विद्युत विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत का मामला**
- पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाईश पर मामला शांत हुआ**

पहुंची बाद में सांगोद तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन व धरना

देकर बैठे लोगों से समझाइश की, काफी समझाइश के बाद कुछ मांगों पर सहमत होने के बाद धरने को समाप्त किया गया। जानकारी के अनुसार हेमंत कुमार सुमन बिजली विभाग में ठेके पर एफआरटी में काम करता था। चार जनवरी को थाने के सामने वाले पोल पर चढ़कर फॉल्ट को सही कर रहा था, उसी समय अचानक से लाईट की सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे पोल पर चढ़कर काम कर रहा हेमंत झुलस गया और वह खंभे से नीचे गिरकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां

उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बिजली विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी हेमंत कुमार सुमन कुछ दिन पूर्व काम के दौरान करंट लगने से झुलस गया था, जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। ग्रामीणों व परिजनों ने आर्थिक मदद सहित अन्य मांगों को लेकर बपावर कलां में विद्युत कार्यालय के बाहर धरना दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाईश कर मांगों पर कुछ सहमति बनने के बाद मामला शांत हुआ।

हथियारों के पुर्जे व विस्फोटक सामग्री रखने वाला आरोपी गिरफ्तार भारी मात्रा में बारूद और हथियार बरामद

देवली, (निसं)। जिले की डीएसटी और देवली पुलिस ने देवली स्थित पटवा बाजार में अवैध हथियारों के पुर्जे और विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार देवली शहर के पटवा बाजार निवासी राजू लुहार पुत्र नारायण लुहार के चाकू छुरियों को धार करने वाले कारखाने पर डीएसटी और देवली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापा मारा है। इस दौरान टोंक डीएसटी और देवली पुलिस ने यहां पाया कि आरोपी राजू लुहार के कारखाने पर अवैध तरीके से आग्नेयास्त्रों की परम्पत और विस्फोटक पदार्थों और सामग्री की बिक्री खुलेआम की जा रही थी। संयुक्त कार्रवाई मे तलशी के दौरान पुलिस ने दुकान से 21 किलो 670 ठाम विस्फोटक बारूद, 6 लोहे की तलवारें और 3 लाख 8 हजार 470 रुपये के नकदी बरामद की है। इसके अलावा भारी मात्रा में आग्नेयास्त्रों के पुर्जे भी पुलिस को कार्रवाई के दौरान मिले हैं। पुलिस ने पाया कि कारखाने पर बंदूक के लोहे के



पुलिस ने विस्फोटक सामग्री रखने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

घोड़े, मक्खी (एकनाली, दोनाली), बन्दूकों की 860 टोपियां, 34 लोहे की प्लेटें शामिल हैं। पुलिस ने मौके से अवैध हथियारों के काम में प्रयुक्त होने वाले औजार भी जब्त किए हैं।

देवली थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर ने बताया कि कारखाने के मलिक आरोपी राजू लुहार ने इन सामग्रियों के

संबंध में कोई वैध लाइसेंस पेश नहीं कर सका, जिसके बाद उस गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब इस मामले में आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है कि आरोपी राजू लुहार के द्वारा आखिरकार इतना बारूद और हथियार और बन्दूकों के पुर्जे के कहीं किसे सप्लाई किए जाने थे।

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते घर में युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक की पत्नी विवाद की शिकायत करने को लेकर थाने पहुंची तो पीछे से पति ने फांसी का फंदा लगा लिया। नयापुरा थानाधिकरी विनोद कुमार ने बताया कि इलाके के बृजराज कोलानी निवासी महावीर सिंह राजावत की पत्नी पारिवारिक विवाद के चलते शूक्रवार को पति की शिकायत करने थाने आई, जिस पर पुलिसकर्मियों को

महिला के घर भेजा गया, तो महावीर सिंह राजावत (32) फांसी के फंदे पर लटका हुआ था, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक मोबाइल ऑपरेटिंग कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर था, किसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

चार माह से फरार चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना पुलिस ने 4 महीने से फरार एक शातिर चोरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद से अपना नाम और ठिकाना बदलकर राजस्थान और गुजरात में भागता फिर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर चोरी का माल भी बरामद कर लिया है।

रामसागड़ा थानाधिकारी ने बताया कि गिरीश पुत्र प्रेमजी रोट निवासी

रातापानी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि 12 से 19 सितंबर के बीच उसने घर में चोरी की वारदात हुई। घर से सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी किरीट पुत्र शालीलाल खराडी निवासी नवाधरा गैबी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली है। वहींजेवर भी जब्त कर लिए हैं।

दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने आरोप लगाये

श्रीगंगानगर, (निसं)। स्कूल की दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम हमारे हिसाब से चलेगा। प्रैक्टिकल नहीं दिया तो भविष्य खराब हो जाएगा। टीसी कटवा कर ले जाने की धमकी भी दी। मामले को लेकर प्रिंसिपल कमलेश कटारिया ने बताया कि वो हमारी बच्ची, उसका जाना हमारे लिए भी दुःखद है। स्कूल हर बच्चा हमारे लिए अपना है। 30 सालों से मैं यहां हूँ ऐसी घटना कभी नहीं हुई। हमने उनको ऊपर अलाउ थी किया था। बायोलाॅजी का प्रैक्टिकल था, सरकारी एग्जामिनर आए थे। पूरे टाइम उसकी मदर और भाई बैठे रहे। शोरी के दरवाजे से वो बाहर बैठकर देख भी रहे थे। एग्जामिनर ने भी कहा

- पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था**
- परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी**

था कि बच्ची एकदम ठीक है। पैरेंट्स तीनों प्रैक्टिकल में साथ में रहे हैं। एग्जामिनर ने भी पूछा था कि बेटा तबीयत खराब तो नहीं है। तब बच्ची ने ऐसा कुछ नहीं बताया। वो बच्ची कैसे गिरी, क्या हुआ, मुझे कुछ पता नहीं है। मैं पहुंची तब तक उसे अस्पताल ले जाया जा चुका था। हमारी तरफ से परिवार के लिए संवेदनशी है।

श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना एसएचओ ने कहा कि 12 वीं मेडिकल साइंस की छात्रा रमनदीप के स्कूल के दूसरे फ्लोर से गिरने के मामले में जांच

जायी है। परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कटारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी है। सीसीटीवी खंगाल रहे हैं। छात्रा के पिता विजय कुमार ने शिकायत में बताया कि रमनदीप को ऊंचाई से डर लगता था और वह छत पर भी नहीं जाती थी। उसकी तबीयत कई दिनों से खराब चल रही थी। 8 जनवरी को हमने स्कूल स्टाफ से रिक्वेस्ट की थी कि छात्रा के प्रैक्टिकल के दौरान परिवार के किसी सदस्य को साथ रहने

दिया जाए, लेकिन स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया। स्कूल स्टाफ ने कहा कि हमारा सिस्टम आपके हिसाब से नहीं चलेगा। इसके बाद जबरन 11,960 रुपए फीस जमा करवाई गई, जिसमें से 4 हजार की रसीद भी नहीं दी गई।

विजय कुमार ने बताया कि 14 जनवरी को फिजिक्स का पेपर था। पढ़ी देवकी साथ गई, लेकिन रमनदीप को जबरदस्ती एग्जाम देने दूसरी मंजिल पर ले जाया गया, जहां वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे मुश्किल से नीचे लाया गया और दबाई गई। इसके बाद फिर से प्रैक्टिकल के लिए वापस ऊपर ले जाने की कोशिश की गई। जब हमने इसका विरोध किया तो प्रिंसिपल ने कहा कि प्रैक्टिकल नहीं दिया तो रिजल्ट खराब होगा, स्कूल की बदनामी होगी। टीसी कटवाकर घर ले जाओ। पिता ने बताया कि 16 जनवरी को फिर से बायोलाॅजी प्रैक्टिकल के लिए फिर दबाव डाला गया। जिसके बाद रमनदीप को तबीयत खराब होने के बावजूद दूसरी

मंजिल पर ले जाया गया। प्रैक्टिकल पूरा कर लैब से निकलते ही रमनदीप को चक्कर आया और वह सीढ़ियों बालकनी से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। जिसे पत्नी और भांजे ने देखा और शोर मचाया। रमनदीप को तुरंत अर्पण हॉस्पिटल लेकर जाया गया जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी है। इसमें स्कूल स्टाफ के खिलाफ मामला दर्ज करने की अपील की है। परिजनों का कहना है कि छात्रा की मौत स्कूल स्टाफ की लापरवाही और ज़िद के कारण हुई है। वे लगातार ऊपर ले जाने पर अड़े रहे, जबकि स्वास्थ्य खराब होने की बार-बार जानकारी दी गई थी। छात्रा का शव अभी सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में है। अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। स्कूल में कुल 3 फ्लोर है, दूसरे फ्लोर पर प्रैक्टिकल आयोजित हो रहे थे। लैब से निकलते ही रमनदीप हॉल में आ गिरी।

बीकानेर, (निसं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन, आमजन को डराने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस के खास गुर्गे रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार किया है। उसे अजमेर की हाई सिक्वोरिटी जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

नयाशहर पुलिस थाने में 9 मार्च, 2023 को टेक्स, जीपस्टी का काम करने वाले वकील को धमकाकर 4 लाख रुपए मांगने और 40,000 रुपए हासिल करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। फिरती की रकम गैंगस्टर लॉरेंस के खास रितिक बॉक्सर के लिए मांगी गई थी। इस मामले की छानबीन में पुलिस सोशल मीडिया हथियारों के प्रदर्शन और गैंग से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली तो एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें रितिक बॉक्सर और नीरज यादव को नामजद किया गया। पुलिस ने नीरज को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था और रितिक

- रितिक बॉक्सर को अजमेर हाई सिक्वोरिटी जेल से बीकानेर लाई पुलिस**

मुकदमे है। जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हरियाणा के पुलिस थानों में उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

गलत कमेंट करने पर केस दर्ज : जोधपुर में एक महिला कॉस्टेबल की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाने का पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस ने अदालत से मिले इस्तगाम पर आईटी एन्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस बारे में अंतिम जांच में जुटी है। मंडोर पुलिस ने बताया कि एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें रितिक बॉक्सर के लिए काम करता रहा है। उस पर हत्या, जानलेवा हमला, फिरती, सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन जैसे गंभीर प्रवृत्ति के 20 से ज्यादा